ये अव्यक्त इशारे

श्रेष्ठ स्वमानधारी, सम्मानदाता बनो

17-06-2023

जो अपने स्वमान में रहता है उसे हद का मान प्राप्त करने की कभी इच्छा नहीं होती, वे इच्छा मात्रम् अविद्या हो जाते हैं। एक स्वमान में सर्व हद की इच्छायें समा जाती हैं, मांगने की आवश्यकता नहीं रहती।

Be one with elevated self-respect and continue to regard to everyone.

Those who stay in their self-respect never desire to receive some limited respect or honour; they are ignorant of the knowledge of desire. All limited desires are merged in the one self-respect and they have no need to ask for anything.